# वीयू– अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दूसरे दिन  तकनीकी सत्र में हुआ मंथन

जबलपुर। नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विवि के स्कूल ऑफ वाइल्ड लाइफ एंड फॉरेंसिक हेल्थ, वन विभाग मध्य प्रदेश एवं भारतीय वन्य जीवन संस्थान देहरादून के संयुक्त तत्वावधान में भारतीय चिड़ियाघर एवं वन्य जीव (एआईजेडडब्ल्यूवी) का 15 वां वार्षिक सम्मेलन और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दूसरे दिन सुबह से शाम तक तकनीकी सत्रों का आयोजन सिविल लाइन स्थित वेटरनरी कॉलेज जबलपुर के सभागार व वाइल्ड लाइफ सेंटर के मीटिंग हाल में किया गया। विवि के कुलगुरु माननीय प्रो. डॉ. मनदीप शर्मा, एआईजेडडब्ल्यूवी (ऑल इंडिया जू एडं वाइल्ड लाइफ वेटनेरियन्स इंडिया) माननीय डॉ. अपूर्व चक्रवर्ती, वेटरनरी कॉलेज के डीन डॉ. आरके शर्मा, कॉफ्रेंस संयोजक डॉ. शोभा जावरे व डॉक्टर पराग निगम डब्ल्यू आईआई देहरादून के निर्देशन आयोजित पहले तकनीकी सत्र की अध्यक्षता पद्मश्री डॉक्टर केके शर्मा, उपाध्यक्ष डॉक्टर अखिलेश मिश्रा रहे। इस दौरान डॉक्टर कोबस राठ मैनेजिंग डायरेक्टर वाइल्ड लाइफ फार्मा साउथ अफ्रीका ने वन्य जीव निश्चेतना पर एवं डॉक्टर जेस एस चौहान पूर्व पीसीसीएफ वाइल्ड लाइफ ने वन्यजीव प्रबंधन पर विषय व्याख्यान दिए।

इसी क्रम में ऑडोटोरियम में आयोजित तकनीकी सत्र में डॉ. निरंजन साहू की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। सत्र में डॉ. श्रीकुमार मद्रास वेटरनरी कॉलेज ने फोरेंसिक पोस्टमार्टम एवं डॉ. कॅरिकलन आईवीआर आई बरेली ने पोस्टमार्टम के दौरान साक्ष्य संकलन पर व्याख्यान प्रस्तुत किए। इसके साथ ही पोस्टर सेशन का भी आयोजन किया गया। तकनीकी सत्रों के आयोजन में सोमेश सिंह, डॉ. निधि राजपूत, डॉ. अमोल रोकड़े, डॉ. केपी सिंह, डॉ. देवेन्द्र पोधाडे का विशेष सहयोग रहा।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर